बस, आप ही आप

-सुभाष काबरा

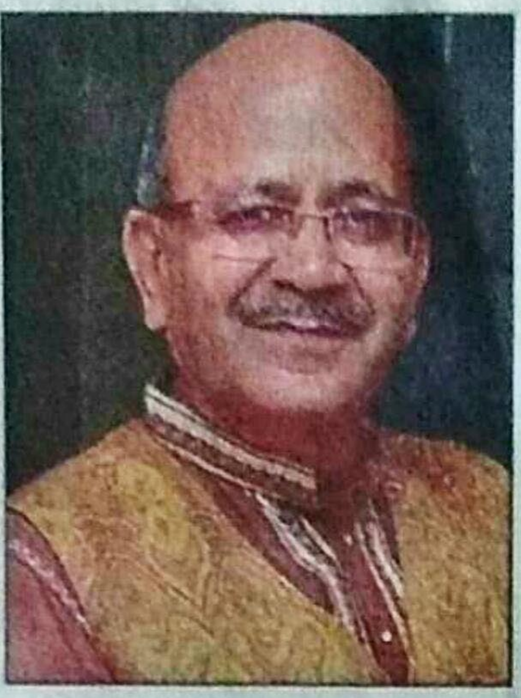

ग्राम पंचायत में
गांववालों के साथ
होली मनाने का वादा
पूरा करते हुए
नेताओं के एक दल ने
पूछा गांव वालों से डरते हुए-
'सुना है तुम्हारे गांव में
आज भी तरह-तरह के
जहरीले सांप हैं?'
गांव वाले बोले-
'कभी हुआ करते थे हुजूर,
आजकल तो यहां से वहां तक
बस, आप ही आप हैं!'

गांव की पनवाड़िन ने भी
नेताओं को आईना दिखाया
अपने पनवाड़ी का चरित्र
नेताओं के चरित्र से ऊंचा बताया-
'चालीस बरसों से
हिंदुस्तान का नक्शा
दीवार पर टंगा है
लेकिन हमारे पनवाड़ी ने हमेशा
पान पर ही चूना लगाया!'